This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 9385

Unique Paper Code : 12275401 GC

Name of the Paper : Indian Economy II

Name of the Course : B.A. (H)/B.Sc.(H)/B.Com. (H) CBCS (GE)

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

All questions carry equal marks, 15 marks each.

Attempt any *Five* questions.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

प्रत्येक 15 अंकों का है ।

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिये ।

P.T.O.

1. What factors, do you think, explain the unprecedented economic growth observed in India during the period of 2003-08 ? Would you agree with the contention that the decline in the growth rate after that is largely due to changes in the global economic environment ?

वर्ष 2003-08 के दौरान भारत में हुए अभूतपूर्व आर्थिक विकास की व्याख्या करने वाले कारक आपके अनुसार क्या हैं ? क्या आप इस मान्यता से सहमत हैं कि इसके बाद आर्थिक दर में गिरावट का मुख्य कारण भूमण्डलीय आर्थिक वातावरण में बदलाव है ?

2. Why, in your opinion, have the economic reforms failed to produce medium and large scale firms in the labour-intensive sectors ? Do you think, implementing second generation labour reforms will resolve this problem ? Give reasons in support of your answer.

आपके विचार के अनुसार क्यों श्रम प्रधान क्षेत्र में मध्यम व बड़े पैमाने की फर्में उत्पन्न करने में आर्थिक सुधार विफल रहे? क्या आप समझते हैं कि द्वितीय जेनरेशन श्रम सुधार लागू करने से इस समस्या का समाधान होगा ? अपने उत्तर के पक्ष में कारण दीजिये ।

3. "The general impression is that the agriculture sector has not being doing well in India, but, hidden from the public view, agriculture performance has improved rapidly in recent years." Do you agree with the above statement ? Elaborate.

आमतौर पर यह मानना है कि भारत में कृषि क्षेत्र कुछ अच्छा नहीं कर रहा है, परन्तु जनता के दृष्टिकोण के अलावा, हाल के वर्षों में कृषि के प्रदर्शन में सुधार आया है ।" क्या आप उपर्युक्त कथन से सहमत हैं ? व्याख्या कीजिये ।

4. "Liberalization of Foreign Direct Investment (FDI) policy may be necessary but not sufficient for expanding FDI inflows." Discuss.

"प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति का उदारीकरण, FDI के अंतर्प्रवाह को बढ़ाने के लिए आवश्यक हो सकती है परन्तु पर्याप्त नहीं।" व्याख्या कीजिये ।

5. "It is not ownership, but the degree of competition that matters in attaining productive efficiency in the industry." Discuss the above statement in context of the privatization debate in India.

"उद्योग में उत्पादन कुशलता प्राप्त करने के लिए प्रतियोगिता की गहनता मायने रखती है न कि स्वामित्व ।" भारत में निजीकरण पर बहस के संदर्भ में उपर्युक्त कथन की व्याख्या कीजिये ।

6. Elaborate the problem of the 'missing middle' in the Indian manufacturing sector. In this context, briefly discuss the causes of the emergence and persistence of dualism.

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में ''मिसिंग मिडल'' की समस्या की व्याख्या कीजिये । इस संदर्भ में दोहरेपन की उत्पत्ति तथा चलन के कारणों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये ।

7. What are the main objectives of modern anti-trust laws ? Critically assess the major strengths and weaknesses of India's competition Act 2002 in fulfilling these objectives.

आधुनिक एंटी-ट्रस्ट लॉ के मुख्य उद्देश्य क्या हैं ? इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भारतीय प्रतियोगिता नियम 2002 की मुख्य ताकतों व त्रुटियों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।

8. Critically examine the evidence that shows that India's services sector has been rapidly growing since liberalization, and has played an important role in India's integration with world trade and capital markets. In this context, also briefly comment on the sustainability of a services-led growth process in future.

उन प्रमाणों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए जो यह दर्शाते हैं कि उदारीकरण के समय से ही भारतीय सेवा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है तथा विश्व व्यापार व पूँजी बाज़ार में भारत को मिलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है । इस संदर्भ में भारत में भविष्य में सेवा-प्रेरित विकास प्रक्रिया की धारणीयता पर भी संक्षिप्त तर्क दीजिये ।